



Harpreet Singh

30 Oct 1980

07:15 AM

Ludhiana

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119951603

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 30/10/1980 : _____ जन्म तिथि _____ : 30/10/2025
 गुरुवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 07:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 20:01:09 घंटे
 घटी 01:26:54 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 33:22:05 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Ludhiana : _____ स्थान _____ : Ludhiana
 उत्तर 30:56:00 : _____ अक्षांश _____ : 30:56:00 उत्तर
 पूर्व 75:52:00 : _____ रेखांश _____ : 75:52:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:26:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:40:14 : _____ सूर्योदय _____ : 06:40:19
 17:39:57 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:39:52
 23:35:08 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:07
 तुला : _____ लग्न _____ : वृष
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 कर्क : _____ राशि _____ : मकर
 चन्द्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 पुष्य : _____ नक्षत्र _____ : धनिष्ठा
 शनि : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : मंगल
 1 : _____ चरण _____ : 1
 साध्य : _____ योग _____ : गण्ड
 बव : _____ करण _____ : बालव
 हू-हुकमसिंह : _____ जन्म नामाक्षर _____ : गा-गामिनी
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 विप्र : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 जलचर : _____ वश्य _____ : जलचर
 मेष : _____ योनि _____ : सिंह
 देव : _____ गण _____ : राक्षस
 मध्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मेष : _____ वर्ग _____ : मार्जार
 45 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 46

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
स्वाति	4	19:43:52	तुला			लग्न	वृष	24:17:37	1	मृगशिरा		
स्वाति	2	13:12:31	तुला			सूर्य	तुला	13:12:31	2	स्वाति		
पुष्य	1	05:56:06	कर्क			चंद्र	मक	24:07:24	1	धनिष्ठा		
ज्येष्ठा	1	19:16:30	वृश्चि			मंगल	वृश्चि	02:15:25	4	विशाखा		
विशाखा	1	22:47:01	तुला	व	अ	बुध	वृश्चि	06:54:55	2	अनुराधा		
उ०फाल्गुनी	4	06:55:53	कन्या			गुरु	कर्क	00:41:39	4	पुनर्वसु		
उ०फाल्गुनी	3	05:58:11	कन्या			शुक्र	कन्या	26:36:09	1	चित्रा		
हस्त	1	11:03:16	कन्या			शनि	मीन	01:38:32	4	पूर्वाभाद्रपद		
आश्लेषा	2	22:56:58	कर्क	व		राहु	कुंभ	22:48:05	1	पूर्वाभाद्रपद		
श्रवण	4	22:56:58	मक	व		केतु	सिंह	22:48:05	3	पूर्वाफाल्गुनी		
विशाखा	4	01:06:36	वृश्चि			मु	कर्क	19:43:52	1	आश्लेषा		

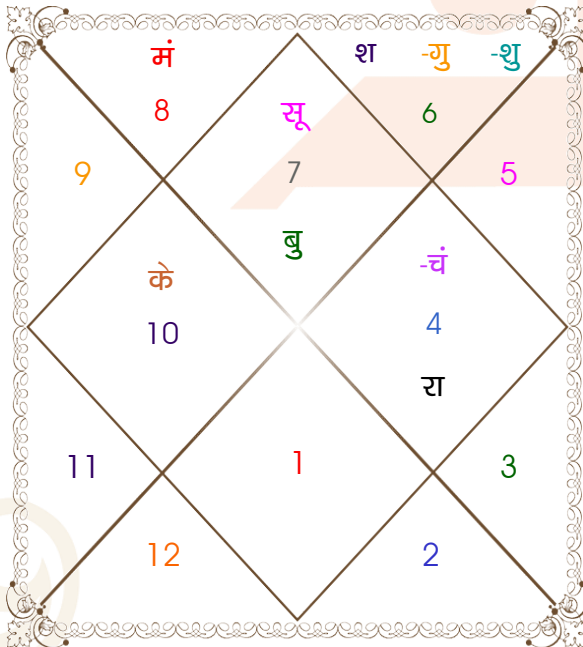
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

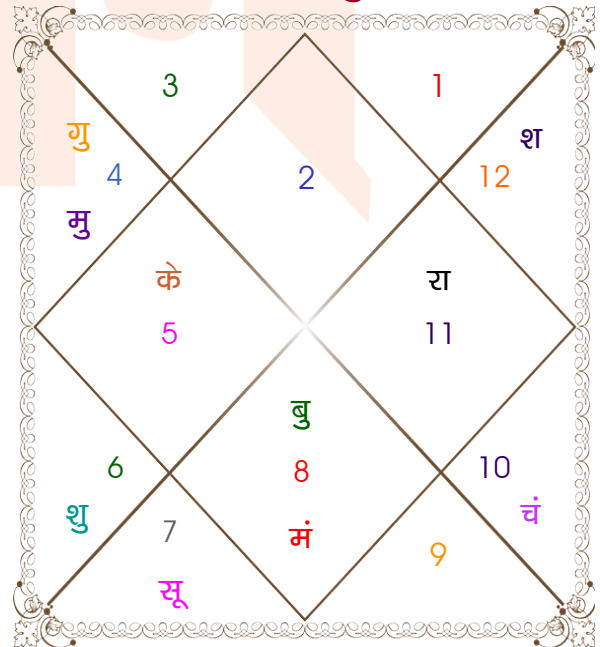
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



HARE KRISHNA ASTRO

ASTROLOGER SANDEEP ARORA

Shiffali Park Street , Sunder Nagar

Ludhiana .

9877727067

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - चंद्र - शुक्र 05/10/2025 11:52 14/01/2026 22:52	शुक्र - चंद्र - सूर्य 14/01/2026 22:52 14/02/2026 09:22	शुक्र - मंगल - मंगल 14/02/2026 09:22 11/03/2026 05:56	शुक्र - मंगल - राहु 11/03/2026 05:56 14/05/2026 03:59
शुक्र 22/10/2025 09:42 सूर्य 27/10/2025 11:27 चंद्र 04/11/2025 22:22 मंगल 10/11/2025 20:24 राहु 26/11/2025 01:39 गुरु 09/12/2025 14:19 शनि 25/12/2025 15:52 बुध 09/01/2026 00:49 केतु 14/01/2026 22:52	सूर्य 16/01/2026 11:23 चंद्र 19/01/2026 00:16 मंगल 20/01/2026 18:52 राहु 25/01/2026 08:27 गुरु 29/01/2026 09:51 शनि 03/02/2026 05:31 बुध 07/02/2026 13:00 केतु 09/02/2026 07:37 शुक्र 14/02/2026 09:22	मंगल 15/02/2026 20:10 राहु 19/02/2026 13:39 गुरु 22/02/2026 21:11 शनि 26/02/2026 19:39 बुध 02/03/2026 08:10 केतु 03/03/2026 18:58 शुक्र 07/03/2026 22:23 सूर्य 09/03/2026 04:13 चंद्र 11/03/2026 05:56	राहु 20/03/2026 20:03 गुरु 29/03/2026 08:35 शनि 08/04/2026 11:28 बुध 17/04/2026 12:48 केतु 21/04/2026 06:17 शुक्र 01/05/2026 21:57 सूर्य 05/05/2026 02:40 चंद्र 10/05/2026 10:30 मंगल 14/05/2026 03:59
शुक्र - मंगल - गुरु 14/05/2026 03:59 09/07/2026 23:35	शुक्र - मंगल - शनि 09/07/2026 23:35 15/09/2026 10:52	शुक्र - मंगल - बुध 15/09/2026 10:52 14/11/2026 19:41	शुक्र - मंगल - केतु 14/11/2026 19:41 09/12/2026 16:16
गुरु 21/05/2026 17:48 शनि 30/05/2026 17:42 बुध 07/06/2026 18:53 केतु 11/06/2026 02:25 शुक्र 20/06/2026 13:41 सूर्य 23/06/2026 09:52 चंद्र 28/06/2026 03:30 मंगल 01/07/2026 11:03 राहु 09/07/2026 23:35	शनि 20/07/2026 15:58 बुध 30/07/2026 05:22 केतु 03/08/2026 03:49 शुक्र 14/08/2026 09:42 सूर्य 17/08/2026 18:40 चंद्र 23/08/2026 09:36 मंगल 27/08/2026 08:04 राहु 06/09/2026 10:57 गुरु 15/09/2026 10:52	बुध 24/09/2026 00:07 केतु 27/09/2026 12:37 शुक्र 07/10/2026 14:06 सूर्य 10/10/2026 14:32 चंद्र 15/10/2026 15:16 मंगल 19/10/2026 03:47 राहु 28/10/2026 05:07 गुरु 05/11/2026 06:17 शनि 14/11/2026 19:41	केतु 16/11/2026 06:29 शुक्र 20/11/2026 09:55 सूर्य 21/11/2026 15:45 चंद्र 23/11/2026 17:27 मंगल 25/11/2026 04:15 राहु 28/11/2026 21:45 गुरु 02/12/2026 05:17 शनि 06/12/2026 03:45 बुध 09/12/2026 16:16
शुक्र - मंगल - शुक्र 09/12/2026 16:16 18/02/2027 16:46	शुक्र - मंगल - सूर्य 18/02/2027 16:46 12/03/2027 00:07	शुक्र - मंगल - चंद्र 12/03/2027 00:07 16/04/2027 12:22	शुक्र - राहु - राहु 16/04/2027 12:22 27/09/2027 21:04
शुक्र 21/12/2026 12:21 सूर्य 25/12/2026 01:34 चंद्र 30/12/2026 23:37 मंगल 04/01/2027 03:02 राहु 14/01/2027 18:43 गुरु 24/01/2027 05:59 शनि 04/02/2027 11:52 बुध 14/02/2027 13:20 केतु 18/02/2027 16:46	सूर्य 19/02/2027 18:20 चंद्र 21/02/2027 12:56 मंगल 22/02/2027 18:46 राहु 25/02/2027 23:28 गुरु 28/02/2027 19:39 शनि 04/03/2027 04:37 बुध 07/03/2027 05:03 केतु 08/03/2027 10:53 शुक्र 12/03/2027 00:07	चंद्र 14/03/2027 23:08 मंगल 17/03/2027 00:51 राहु 22/03/2027 08:41 गुरु 27/03/2027 02:19 शनि 01/04/2027 17:15 बुध 06/04/2027 17:59 केतु 08/04/2027 19:42 शुक्र 14/04/2027 17:45 सूर्य 16/04/2027 12:22	राहु 11/05/2027 04:04 गुरु 02/06/2027 02:01 शनि 28/06/2027 02:36 बुध 21/07/2027 09:26 केतु 30/07/2027 23:33 शुक्र 27/08/2027 09:00 सूर्य 04/09/2027 14:14 चंद्र 18/09/2027 06:57 मंगल 27/09/2027 21:04

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।

ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।

हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ।।

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रुचिशील रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबंधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार संबंधी कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।